वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2018 - 2019

AllBank Kishore Savings Bank Account

AllBank GenX Savings Bank Account

AllBank Salam Account for Defence/Security forces

AllBank Mahila Shakti

AllBank SALARY ACCOUNT You work hard while we do the rest

AllBank Hamman Pension Account

AllBank Varishtha Senior Citizen Account 0.50% Extra Interest

Har kadam aap ke saath

इलाहाबाद बैंक
विश्वास की परंपरा

ALLAHABAD BANK
A tradition of trust

www.allahabadbank.in

इलाहाबाद बैंक
ALLAHABAD BANK

प्रधान कार्यालय : 2, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700 001
HEAD OFFICE: 2, NETAJI SUBHAS ROAD, KOLKATA- 700 001
www.allahabadbank.in

वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT
2018-19

विषय-सूची / Contents

	पृष्ठ सं. / Page No.
• निदेशक, लेखापरीक्षक, महाप्रबंधकगण आदि/ Directors, Auditors, General Managers etc.	02-04
• बैंक के निदेशकों की रिपोर्ट/ Directors' Report of the Bank	14-35
• प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण/ Management Discussion and Analysis	36-54
• व्यवसाय उत्तरदायित्व रिपोर्ट/ Business Responsibility Report	55-66
• बासेल - III प्रकटीकरण/ Basel - III Disclosures	67-126
• कॉर्पोरेट गवर्नेन्स पर रिपोर्ट/ Report on Corporate Governance	127-164
• कॉर्पोरेट गवर्नेन्स पर लेखापरीक्षकों का प्रमाणपत्र/ Auditors' Certificate on Corporate Governance	165
• सीईओ और सीएफओ द्वारा अनुपालन प्रमाणपत्र/ Compliance Certificate by CEO and CFO	166-167
• सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट/ Secretarial Audit Report	168-170
• बैंक के वित्तीय विवरण/ Financial Statements of the Bank	171-231
• बैंक के लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट/ Auditors' Report of the Bank	232-236
• समेकित वित्तीय विवरण/ Consolidated Financial Statements	237-269
• समेकित वित्तीय विवरण पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट/ Auditors' Report on Consolidated Financial Statements	270-275

इलाहाबाद बैंक
ALLAHABAD BANK

प्रधान कार्यालय : 2, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700 001

HEAD OFFICE: 2, NETAJI SUBHAS ROAD, KOLKATA- 700 001

निदेशक मंडल / BOARD OF DIRECTORS (यथास्थिति/AS ON 31-03-2019)

1.	श्री सीएच. एस.एस. मल्लिकार्जुन राव Shri CH. S.S. Mallikarjuna Rao	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी Managing Director and CEO
2.	श्री के. रामचंद्रन Shri K. Ramachandran	कार्यपालक निदेशक Executive Director
3.	श्री पी. आर. राजगोपाल Shri P. R. Rajagopal	कार्यपालक निदेशक Executive Director
4.	श्री राजीव रंजन Shri Rajeev Ranjan	सरकार द्वारा नामित निदेशक Government Nominee Director
5.	श्री विवेक दीप Shri Vivek Deep	भा.रि.बैंक द्वारा नामित निदेशक RBI Nominee Director
6.	प्रो. राधा आर. शर्मा Prof. Radha R. Sharma	अंशकालिक गैर-सरकारी निदेशक Part Time Non-Official Director
7.	श्री गौतम गुहा Shri Gautam Guha	अंशकालिक गैर-सरकारी निदेशक Part Time Non-Official Director
8.	डॉ. बिजय कुमार साहू Dr. Bijaya Kumar Sahoo	शेयरधारक निदेशक Shareholder Director
9.	श्री सारथ सूरा Shri Sarath Sura	शेयरधारक निदेशक Shareholder Director
10.	डॉ. पार्थप्रतिम पाल Dr. Parthapratim Pal	शेयरधारक निदेशक Shareholder Director

लेखा-परीक्षक/AUDITORS

1.	मे. नंदी हलदर एंड गांगुली M/s Nandy Halder & Ganguli	सनदी लेखाकार *Chartered Accountants*
2.	मे. पी.एल. टंडन एंड कं. M/s P. L. Tandon & Co.	सनदी लेखाकार *Chartered Accountants*
3.	मे. आर. गोपाल एंड एसोसिएट्स M/s R. Gopal & Associates	सनदी लेखाकार *Chartered Accountants*
4.	मे. जेबीएमटी एंड एसोसिट्स M/s JBMT & Associates	सनदी लेखाकार *Chartered Accountants*
5.	मे. प्रकाश एस. जैन एंड कं. M/s Prakash S. Jain & Co.	सनदी लेखाकार *Chartered Accountants*

सचिवीय लेखा-परीक्षक/SECRETARIAL AUDITOR

मे. एच. एम. चोरारिया एण्ड कंपनी M/s H. M. Choraria & Co.	प्रैक्टिसिंग कंपनी सचिव Practising Company Secretary

रजिस्ट्रार एवं शेयर अंतरण एजेंट/REGISTRAR & SHARE TRANSFER AGENT

सीबी मैनेजमेंट सर्विसेज (प्रा) लि.
(यूनिटः इलाहाबाद बैंक)
पी-22 बंडेल रोड,
कोलकाता-700019
दूरभाष सं. : 033-40116700,
फैक्स सं. : 033-40116739
ईमेलः rta@cbmsl.com

CB Management Services (P) Ltd.
(Unit: Allahabad Bank)
P-22, Bondel Road,
Kolkata-700019.
Telephone No. : 033-40116700
Fax No. : 033-40116739
Email : rta@cbmsl.com

निदेशक मंडल Board of Directors

श्री सीएच. एस.एस. मल्लिकार्जुन राव
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
Shri CH. S.S. Mallikarjuna Rao
Managing Director & Chief Executive Officer

श्री के. रामचंद्रन, कार्यपालक निदेशक
Shri K Ramachandran, Executive Director

श्री पी.आर.राजगोपाल, कार्यपालक निदेशक
Shri P. R. Rajagopal, Executive Director

श्री राजीव रंजन
सरकार द्वारा नामित निदेशक
Shri Rajeev Ranjan
Government Nominee Director

श्री विवेक दीप
भा.रि.बैंक द्वारा नामित निदेशक
Shri Vivek Deep
RBI Nominee Director

श्री गौतम गुहा
अंशकालिक गैर-सरकारी निदेशक
Shri Gautam Guha
Part Time Non-Official Director

प्रो. राधा आर. शर्मा
अंशकालिक गैर-सरकारी निदेशक
Prof. Radha R. Sharma
Part Time Non-Official Director

डॉ. बिजय कुमार साहू
शेयरधारक निदेशक
Dr. Bijaya Kumar Sahoo
Shareholder Director

श्री सारथ सूरा
शेयरधारक निदेशक
Shri Sarath Sura
Shareholder Director

डॉ. पार्थप्रतिम पाल
शेयरधारक निदेशक
Dr. Parthapratim Pal
Shareholder Director

निदेशक जो वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान पदमुक्त हुए
Directors who demitted office during FY 2018-19

श्रीमती उषा अनन्तसुब्रह्मण्यन
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
Smt. Usha Ananthasubramanian
Managing Director & Chief Executive Officer

श्री एन. के. साहु
कार्यपालक निदेशक
Shri N.K. Sahoo
Executive Director

श्री एस. हरिशंकर
कार्यपालक निदेशक
Shri S. Harisankar
Executive Director

श्री उमेश कुमार सिंह
मुख्य सतर्कता अधिकारी
Shri Umesh Kumar Singh
Chief Vigilance Officer

महाप्रबंधकगण General Managers

श्री संजय अग्रवाल
Shri Sanjay Aggarwal

श्री विपुल सिंगला
Shri Vipul Singla

श्री विकास कुमार
Shri Vikas Kumar

श्री सुधांशु गौड़
Shri Sudhanshu Gaur

श्री पी.सी. शर्मा
Shri P. C. Sharma

श्री इमरान ए सिद्दिकी
Shri Imran A Siddiqui

श्री एस.वी. एल. एन.नागेश्वर राव
Shri S.V.L.N. Nageswara Rao

श्री एन.एन. कुमार साहा
Shri N. N. Kumar Saha

श्री के.नन्दकुमार
Shri K. Nandhakumar

श्री बि. कु. मित्र
Shri B. K. Mitra

श्री मुक्ति नाथ पटेल
Shri Mukti Nath Patel

श्री सुनील बरन जेना
Shri Sunil Baran Jena

श्री संजीव कुमार सूरी
Shri Sanjeev Kumar Suri

श्री अरुण कुमार पान्डेय
Shri Arun Kumar Pandeya

श्री बानम्बार साहु
Shri Banambar Sahoo

श्री विवेक. एम. पडगाँवकर
Shri Vivek M. Padegaonkar

श्री रविन्दर सिंह
Shri Ravinder Singh

श्री राकेश कुमार शर्मा
Shri Rakesh Kumar Sharma

श्री अभय कुमार महापात्रा
Shri Avaya Kumar Mohapatra

महाप्रबंधकगण जो वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान पदमुक्त हुए
General Managers who demitted office during FY 2018-19

श्री पार्थदेब दत्त
Shri Parthadeb Datta

श्री आलोक तरफदार
Shri Alok Tarafdar

श्री एस. एल. जैन
Shri S. L. Jain

श्री दिनेश कुमार
Shri Dinesh Kumar

बैंक के कार्यनिष्पादन की विशिष्टताएं
Highlights of the Bank's Performance

(₹ करोड़ में) /(₹ in crore)

Sl. No.	विवरण Parameters	मार्च/2010 March' 2010	मार्च/2011 March' 2011	मार्च/2012 March' 2012	मार्च/2013 March' 2013	मार्च/2014 March' 2014
1.	पूँजी / Capital	446.70	476.22	500.03	500.03	544.61
2.	आरक्षित कोष /Reserve	6306.25	8031.17	10006.59	10852.49	11256.12
3.	कार्यशील निधियाँ/ Working Funds	121699.21	151286.36	182934.57	204373.19	220434.28
4.	कुल निक्षेप/Total Deposits	106055.75	131887.16	159593.08	178741.60	190842.81
5.	कुल अग्रिम (सकल)/ Total Advances (Gross)	72437.31	94570.93	112249.74	130936.26	140905.46
6.	कुल निवेश (सकल)/ Total Investments (Gross)	38680.43	43544.84	54770.15	58616.94	64347.94
7.	कुल आय/ Total Income	9885.10	12385.10	16821.96	18912.60	20912.43
8.	कुल व्यय (प्रावधान और आकस्मिता से रहित)/ Total Expenditure (excluding Provisions and Contingencies)	7336.55	9330.52	13052.02	15527.38	16892.00
9.	परिचालन लाभ/ Operating Profit	2548.55	3054.58	3769.94	3385.22	4020.43
10.	प्रावधान / Provisions	1342.22	1631.47	1903.15	2200.01	2848.41
11.	निवल लाभ / Net Profit	1206.33	1423.11	1866.79	1185.21	1172.02
12.	पूँजी पर्याप्तता अनुपात (%) */ Capital Adequacy Ratio (%)*	13.62	12.96	12.83	11.03	9.96
13.	निवल अग्रिम में निवल एन पी ए (%)/ Net NPAs to Net Advances (%)	0.66	0.79	0.98	3.19	4.15
14.	सकल अग्रिम में सकल एन पी ए (%) / Gross NPAs to Gross Advances (%)	1.69	1.74	1.83	3.92	5.73
15.	प्रति शेयर अर्जन (₹) / Earning per Share	27.01	31.85	39.18	23.70	22.89
16.	प्रति शेयर बही मूल्य (₹) Book Value per Share (₹)	151.17	178.64	192.93	209.93	201.04
17.	औसत निवल सम्पत्ति पर प्रतिफल (%) Return on Average Net Worth	22.21	21.04	19.35	11.77	10.93
18.	आस्तियों पर प्रतिफल (%) Return on Assets	1.16	1.11	1.02	0.64	0.57

क्रमशः/Contd....

* वित्तीय वर्ष 2012-13 तक बासेल II के अंतर्गत और वित्तीय वर्ष 2013-14 से बासेल III के अंतर्गत

*Upto FY2012-13 under Basel II and from 2013-14 onwards under Basel III

बैंक के कार्यनिष्पादन की विशिष्टताएं
Highlights of the Bank's Performance

(₹ करोड़ में) /(₹ in crore)

Sl. No.	विवरण Parameters	मार्च/2015 March' 2015	मार्च/2016 March' 2016	मार्च/2017 March' 2017	मार्च/2018 March' 2018	मार्च/2019 March' 2019
1.	पूँजी / Capital	571.37	613.80	743.69	844.04	2096.84
2.	आरक्षित कोष /Reserve	12071.40	13450.23	13552.71	9424.35	7033.48
3.	कार्यशील निधियाँ/ Working Funds	227096.48	235828.38	237037.88	252662.28	248575.77
4.	कुल निक्षेप/Total Deposits	193424.05	200644.40	201870.22	213603.83	214334.07
5.	कुल अग्रिम (सकल)/ Total Advances (Gross)	153095.14	157707.24	158103.37	166435.86	163552.33
6.	कुल निवेश (सकल)/ Total Investments (Gross)	55282.90	56034.13	55711.96	69036.12	81317.46
7.	कुल आय/ Total Income	21712.13	20795.07	20304.72	19051.05	18564.50
8.	कुल व्यय (प्रावधान और आकस्मिता से रहित)/ Total Expenditure (excluding Provisions and Contingencies)	17252.42	16661.17	16437.96	15612.73	15797.48
9.	परिचालन लाभ/ Operating Profit	4459.71	4133.90	3866.77	3438.32	2767.01
10.	प्रावधान / Provisions	3838.81	4877.21	4180.29	8112.69	11100.97
11.	निवल लाभ / Net Profit	620.90	-743.31	-313.52	-4674.37	-8333.96
12.	पूँजी पर्याप्तता अनुपात (%) */ Capital Adequacy Ratio (%)*	10.45	11.02	11.45	8.69	12.51
13.	निवल अग्रिम में निवल एन पी ए (%)/ Net NPAs to Net Advances (%)	3.99	6.76	8.92	8.04	5.22
14.	सकल अग्रिम में सकल एन पी ए (%) / Gross NPAs to Gross Advances (%)	5.46	9.76	13.09	15.96	17.55
15.	प्रति शेयर अर्जन (₹) / Earning per Share	11.39	-12.68	-4.36	-59.63	-65.34
16.	प्रति शेयर बही मूल्य (₹) Book Value per Share (₹)	206.41	185.99	157.27	91.36	29.50
17.	औसत निवल सम्पत्ति पर प्रतिफल (%) Return on Average Net Worth	5.46	-6.41	-2.71	-48.17	-119.93
18.	आस्तियों पर प्रतिफल (%) Return on Assets	0.29	-0.33	-0.13	-1.96	-3.48

* वित्तीय वर्ष 2012-13 तक बासेल II के अंतर्गत और वित्तीय वर्ष 2013-14 से बासेल के अंतर्गत

* Upto FY2012-13 under Basel II and from 2013-14 onwards under Basel III

28 जून, 2019 को इलाहाबाद बैंक की 17वीं वार्षिक आम सभा में प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा शेयरधारकों को संबोधन

Address by the Managing Director and CEO to the Shareholders at the 17th Annual General Meeting of Allahabad Bank On 28th June, 2019

प्रिय शेयरधारको,

मुझे आप सभी का आपके बैंक की 17वीं आम सभा में स्वागत करते हुए एवं 31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष हेतु आपके बैंक की कार्यनिष्पादन विशिष्टिताएं प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। इस अवसर पर, मैं आपके सतत समर्थन और निष्ठा हेतु आप में से हर एक को धन्यवाद देना चाहूँगा।

आपके बैंक के कार्यनिष्पादन की विशिष्टिताएं प्रस्तुत करने से पूर्व मैं आपको सामान्य समष्टि आर्थिक और बैंकिंग परिवेश के बारे में बताना चाहूँगा जिसके अंतर्गत वित्तीय वर्ष19 में आपके बैंक ने कार्यनिष्पादन किया है।

केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा फरवरी, 2019 में प्रकाशित वित्त वर्ष19 हेतु द्वितीय अग्रिम प्राक्कलनों में भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि प्रथम अग्रिम प्राक्कलन के 7.2% से घटकर 7% रह गई है। सार्वजनिक और निजी उपभोग में मंदी के कारण घरेलू आर्थिक गतिविधियां धीमी हुई हैं। आपूर्ति पक्ष की ओर, सीएसओ के अग्रिम प्राक्कलन में वास्तविक सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) वृद्धि वित्तीय वर्ष 18 के 6.9% की तुलना में वित्तीय वर्ष 19 में घटकर 6.8% होने का पूर्वानुमान लगाया गया है। विगत वर्ष में कृषि उत्पादन में रिकार्ड स्तर की उपलब्धि के सापेक्ष कृषि उत्पाद में कमी के कारण वित्त वर्ष 2019 की तीसरी तिमाही में जीवीए वृद्धि घटकर 6.3% रह गई।

भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, वित्त वर्ष 20 हेतु जीडीपी वृद्धि 7.2% होने का पूर्वानुमान है जो समान रूप से संतुलित जोखिम के साथ वित्तीय वर्ष 20 की प्रथम छमाही में 6.8-7.1% एवं वित्तीय वर्ष 20 की दूसरी छमाही में 7.3- 7.4% के बीच रहने का अनुमान है। पिछले एक माह के अंदर भारिबैं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और एशिया डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) जैसी संस्थाओं ने भारत की आर्थिक वृद्धि में 20 से 40 आधार बिंदु की कमी होने का पूर्वानुमान लगाया है। उन्हें वित्तीय वर्ष 20 में भारत में 7.2% से 7.3% तक की वृद्धि की आशा है।

भारत में खुदरा मूल्य मुद्रास्फीति जनवरी 19 में दो प्रतिशत से कम से फरवरी 19 में बढ़कर 2.6% हो गई एवं मार्च,19 एवं अप्रैल,19 दोनों में 2.9% बनी रही। शीर्षक मुद्रास्फीति में वृद्धि पूर्णतया खाद्य उत्पादों की मूल्य वृद्धि के कारण थी। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, वित्त वर्ष 2020

Dear Shareholders,

It gives me great pleasure in welcoming you all to the 17th Annual General Meeting of your Bank and presenting the highlights of your Bank's performance for the year ended 31st March 2019. On this occasion, I would like to thank each one of you for your continued support and loyalty.

Before I proceed to present the performance highlights of your Bank, I would like to place before you the general macroeconomic & banking environment under which your bank has performed in FY19.

The second advance estimates for FY19, released by the Central Statistics Office (CSO) in Feb' 19 reduced India's real gross domestic product (GDP) growth to 7.0% from 7.2% in the first advance estimates. Domestic economic activity decelerated due to a slowdown in public and private consumption. On the supply side, the second advance estimates of the CSO projected real gross value added (GVA) growth lower at 6.8% in FY19 as compared with 6.9% in FY18. GVA growth slowed down to 6.3% in Q3FY19 due to a deceleration in agriculture output from the record level achieved in the previous year.

According to RBI, GDP growth for FY20 is projected at 7.2%, in the range of 6.8-7.1% in H1FY20 and 7.3-7.4% in H2FY20 with risks evenly balanced. Institutions like the RBI, International Monetary Fund (IMF) and Asia Development Bank (ADB) have lowered India's economic growth projection by 20 to 40 basis points within the last one month. They expect India to grow in the range of 7.2% to 7.3% in FY20.

Retail price inflation in India increased from less than two per cent in Jan'19 to 2.6% in Feb'19 and remained at 2.9% in both Mar'19 & Apr'19. The increase in headline inflation was entirely on account of rise in prices of food products. According to

के दौरान मुद्रास्फीति की गति का निर्धारण अनेक कारणों से किया जाना है जैसे, अंतर्राष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें, मानसून का परिणाम और खाद्य कीमतें। इन कारकों को ध्यान में रखते हुए, भारिबैं ने व्यापक रूप से संतुलित जोखिम के साथ सीपीआई मुद्रास्फीति वित्त वर्ष 20 की प्रथम छमाही में 2.9-3.0% एवं वित्तीय वर्ष 20 की द्वितीय छमाही में 3.5-3.8% के स्तर पर होने का पूर्वानुमान लगाया लगाया है।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक द्वारा मापे गए औद्योगिक उत्पादन का कार्यनिष्पादन निवेश के साथ-साथ उपभोग में मंदी का संकेत देते हुए 0.1% संकुचित होकर में 21 माह के अंतराल के बाद मार्च, 2019 में नकारात्मक क्षेत्र में प्रवेश कर गया। कुल मिलाकर, वित्त वर्ष 2019 में आईआईपी में वृद्धि 3.6% रही जो पिछले वर्ष 4.4% के सापेक्ष तीन वर्षों में सबसे धीमी रही। आम चनावों से उत्पन्न अनिश्चितताओं के बीच निम्नतर निवेश गतिविधि के कारण वित्तीय वर्ष 20 के प्रारंभिक कुछ महीनों में औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि मंद रह सकती है।

बैंकिंग क्षेत्र

भारत में बैंकिंग उद्योग एक विस्तृत इतिहास है। भारत में बैंकिंग ने एक लम्बा सफर तय किया है और बदलते समय के साथ नई उंचाइयों को छूआ है। अनुपयोज्य आस्तियां, भारतीय बैंकिंग उद्योग की सबसे बड़ी बाधा, वित्तीय वर्ष 2017-18 के अंत में चरम पर थीं और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में और अधिक व्यापक थीं। पूंजी में कमी के कारण बैंक ऋण देने में असमर्थ थे। तथापि, दीवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 जैसी सरकार की कुछ पहल विगत वर्ष समुचित रूप से सफल रहीं। इसके साथ ही, सरकार द्वारा समय पर पूंजी इंफ्यूजन से कुछ बैंकों को पीसीए से बाहर आने और सामान्य रूप से व्यवसाय चलाने में मदद मिली। साथ ही साथ कुछ बैंकों के विलय के रूप में समेकन कार्रवाई की गई। भारत में विलय अनिवार्यतः उबारने (बेल आउट) की प्रक्रिया है। किंतु विगत के विपरीत, जहां जमाकर्ताओं के हित के संरक्षण हेतु विफल निजी बैंकों का सार्वजनिक बैंकों में विलय किया गया था, इन हाल का विलय एक ही प्रवर्तक के अंतर्गत बैंकों का समेकन था जिससे किफायतों को प्राप्त किया जा सके।

प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने बैकों के परिचालन में क्रांति ला दी है और इस घटनाक्रम के कारण बैंकिंग उद्योग और अधिक तेजी से और अधिक दक्षता के साथ सेवा प्रदान कर पाने में समर्थ हुआ है। अभी भी विभिन्न बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं का उपयोग न करने वाली जनसंख्या के बड़े भाग के कारण भारत में पर्याप्त संभावनाएं हैं। जबकि जनधन योजना, आधार और मोबाइल की पैठ ने भारत को विशेष स्थिति में पहुंचा दिया है, इस सफलता का लाभ उठाने की आवश्यकता है। फिनटेक गतिविधियों में तेजी लाने की आवश्यकता है, विशेष रूप से भुगतान के क्षेत्र में जहां यूपीआई के माध्यम से उपलब्ध आधारभूत अवसंरचना विश्वस्तरीय है।

बैंक ऋण में वृद्धि को आर्थिक वृद्धि के संचालन में प्रमुख कारकों में से एक समझा जाता है, क्योंकि यह माना जाता है कि उच्चतर उधार का उपयोग उत्पादक प्रयोजनों के लिए किया जाता है जिसके परिणामसवरूप आर्थिक उन्नति होती है। भारिबैं द्वारा 26 अप्रैल, 2019 को जारी एससीबी संबंधी अद्यतन आंकड़ों की स्थिति यह दर्शाती है कि सकल जमा राशियों में वर्ष-दर-वर्ष 10.36% की वृद्धि हुई जबकि बैंक ऋण 12.97% की जबरदस्त वृद्धि का साक्षी रह। वित्तीय वर्ष 19 के दौरान रिटेल खंड (यथा वैयक्तिक, आवास, वाहन) में उच्चतर ऋण उठाव समग्र ऋण मांग में सुदृढ़ तेजी लाने में सहायक रहा।

वित्तीय वर्ष 19 के दौरान भारिबैं ने नीतिगत दरों में तीन बार परिवर्तन किया है। इसने रेपो दर में 6 जून, 18 और फिर 1 अगस्त, 18 को 25

RBI, the inflation path during FY20 is likely to be determined by several factors viz., international crude oil prices, monsoon outcome and food prices. Taking into consideration these factors, the RBI has projected the CPI inflation in the range of 2.9-3.0% in H1FY20 and 3.5-3.8% in H2FY20, with risks broadly balanced.

Performance of industrial production measured by Index of Industrial Production, entered negative territory in Mar'19 after a gap of 21 months, contracting 0.1% signaling a slowdown in consumption, as well as investment. Overall, in FY19, IIP grew 3.6%, which is the slowest in three years, against 4.4% a year ago. The growth in industrial output may remain subdued for first few months of FY20 due to lower investment activity amid uncertainties surrounding the general elections.

Banking sector:

The banking industry in India has a long history. Banking in India has been through a long journey and has achieved new heights with the changing times. The non-performing assets, the biggest hurdle of Indian banking industry, peaked at the end of the financial year 2017-18 and were more widespread in public sector banks (PSBs). The banks were unable to lend due to shortage of capital. However, some of the Government initiatives such as Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 have had reasonable success in the last year. Along with this, timely capital infusion by the Government has assisted some banks to come out from PCA and carry on business as usual. At the same time, there has been action on the consolidation front with merger of few Banks. Mergers in India are essentially a bail-out exercise. But unlike in the past, where failed private banks were merged with public banks to protect the interest of depositors, the recent merger was consolidation of banks under the same promoter to achieve economies of scale.

The use of technology has brought a revolution in the operations of the banks and because of this development; banking industry has been able to deliver much faster and in a more efficient manner. India has significant potential with large part of population still to utilise various Banking products and services. While Jan Dhan Yojana, Aadhar and mobile penetration put India in a unique position, the fruits of this success need to be reaped. Fintech activity needs to pick up, especially in the payments space where the infrastructure made available through UPI is world class.

Growth in bank credit is considered to be one of the major factors in driving economic growth as it is assumed that higher borrowings are utilized for productive purposes resulting in economic advancement. There has been a structural shift in bank credit from Industry to retail sector. The latest data on SCBs' position released by the RBI as on 10th May 2019 shows that the aggregate deposits increased by 10.36% Y-o-Y while bank credit witnessed a robust growth of 12.97%. During FY19, higher credit off-take to retail segment (like personal, housing, vehicles) supported the robust pick-up in overall credit demand.

During FY19, the RBI has changed the policy rates three times. It increased repo rate by 25 basis points on 6th Jun'18 and

आधार बिंदुओं की बढ़ोतरी की। तथापि, इसने 7 फरवरी 19 को दरों में 25 आधार बिंदुओं की कटौती की और विकास का समर्थन करते हुए 3.2-3.4% की ग्राहक मूल्य सूचकांक(सीपीआई) मुद्रास्फीति के मध्यावधि लक्ष्य को पूरा करने के उद्देश्य से मौद्रिक नीति रुख को केलिब्रेटेड टाइटनिंग से न्यूट्रल करने का निर्णय लिया। इसके अतिरिक्त भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 20 की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति में 25 आधार बिंदुओं की कटौती कर इसे 6.25% से 6.00% किया है।

भारिबैं ने 31 मार्च, 2019 से 31 मार्च, 2020 तक कैपिटल कंजर्वेशन बफर (सीसीबी) के 0.625% के अंतिम ट्रेंच के कार्यान्वयन को आस्थगित कर दिया है। इस एक वर्ष की अवधि ने पीएसबी को लगभग ₹35000-38000 करोड़ की अनुमानित राहत का अवसर प्रदान किया है।

सरकार ने ₹65000 के बजटीय लक्ष्य के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 19 के दौरान बैंक रिकैपिटलाइजेशन के रूप में ₹1.06 लाख करोड़ इंफ्यूज किए थे। किंतु वित्तीय वर्ष 20 के अंतरिम बजट बैंक रिकैपिटलाइजेशन हेतु कोई निधियां आबंटित नहीं की की गई थीं। वित्तीय वर्ष 20 के अंतरिम बजट में, बैंक जमाराशियों पर अर्जित ब्याज पर टीडीएस सीमा मौजूदा ₹10000 से बढ़ाकर ₹40000 की गई है जो बैंकों के साथ-साथ ग्राहकों के लिए भी लाभ की स्थिति है।

वित्तीय वर्ष 19 के दौरान इलाहाबाद बैंक का कार्यनिष्पादन

वित्तीय वर्ष 19 के दौरान बैंक ने बैंक की 3229 घरेलू शाखाओं के नेटवर्क, 1 विदेशी शाखा, 6106 व्यवसाय प्रतिनिधियों (बीसी) और 836 एटीएम के माध्यम से परिचालन किया है।

जमाराशियां

31 मार्च, 19 को यथास्थिति वर्ष दर वर्ष 0.34% की वृद्धि दर के साथ बैंक की वैश्विक जमाराशियां ₹214335 करोड़ थीं। जबकि बैंक की घरेलू जमाराशियां 31 मार्च, 18 के रु210841 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च, 19 को ₹214301 करोड़ हो गई, वित्तीय वर्ष19 के दौरान कासा जमाराशियां 7.7% की वृद्धि दर से बढ़कर ₹106070 करोड़ हो गई। 31 मार्च, 19 को यथास्थिति कुल घरेलू जमाराशियों में कम लागत की कासा जमाराशियों का अंश 49.49% रहा। वर्ष के दौरान बैंक ने थोक जमाराशियों में कटौती करने और इसके स्थान पर रिटेल जमाराशियों पर ध्यान केंद्रित किया। कुल जमाराशियों में थोक जमाराशियों का स्तर मार्च, 18 के 1.52% से घट कर मार्च, 19 में 0.85% रह गया। इसके परिणामस्वरूप जमा लागत (सीओडी) मार्च, 18 के 5.33% से घटकर मार्च, 19 में 5.10% रह गई।

अग्रिम:

वित्तीय वर्ष,19 में बैंक का वैश्विक अग्रिम ₹163552 करोड़ था जिसमें से वित्तीय वर्ष 19 के दौरान घरेलू अग्रिम वर्ष दर वर्ष 2.53% की वृद्धि दर से ₹160286 करोड़ था। बैंक बड़े कार्पोरेट ऋण देने के प्रति सजग बना रहा और रिटेल ऋण पर ध्यान दिया गया। वित्तीय वर्ष 19 में रिटेल ऋण वर्ष-दर-वर्ष 14.49% की वृद्धि के साथ बढ़कर ₹20150 करोड़ हो गया। रिटेल ऋण सेगमेंट में बैंक ने 16.03% की वृद्धि दर हासिल की। 31 मार्च 19 को यथास्थिति बैंक का औसत प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम ₹58000 करोड़ तक पहुंच गया जो 40% के अपेक्षित स्तर के सापेक्ष एएनबीसी का 40.34% है। मुद्रा ऋण के मामले में वित्तीय वर्ष 19 के दौरान बैंक ने ₹2974.59 करोड़ संस्वीकृत किया।

लाभप्रदता:

बैंक का परिचालनगत लाभ अग्रिम पोर्टफोलियों पर दबाव और परिणामी रिवर्सल/ ब्याज न लगाने के कारण वर्ष-दर-वर्ष 19.52% कम हुआ है।

again on 1st Aug'18. However, it reduced the rates by 25 basis points on 7th Feb'19 and also decided to change the monetary policy stance from calibrated tightening to neutral with the objective of achieving the medium-term target for consumer price index (CPI) inflation of 3.2-3.4%, while supporting growth. Further, in its First Bi-monthly Monetary Policy for FY20, the RBI has reduced the repo rate by 25 basis points to 6.0% from 6.25%.

RBI has deferred the implementation of the last tranche of 0.625% of Capital Conservation Buffer (CCB) from March 31, 2019 to March 31, 2020. This one year window has afforded an opportunity to PSBs by an estimated relief of around ₹35,000-38,000 crore.

Government had infused ₹1.06 lakh crore as bank recapitalization during the FY19 as against the budgeted target of ₹65,000 crore. But no funds were allocated for bank recapitalization in FY20 interim budget. In the FY20 interim budget, the TDS limit on interest earned on bank deposits has been increased to ₹40,000 from ₹10,000 currently which is a win-win position for the Banks as well as its customers.

Allahabad Bank's performance during FY19

During FY19, the Bank operated through a network of 3229 domestic Bank's branches, 1 overseas branch, 6106 Business Correspondents (BCs) and 836 ATMs.

Deposits:

The global deposits of the Bank were at ₹2,14,335 crore as on 31 Mar'19 with a Y-o-Y growth rate of 0.34%. While domestic deposits of the bank increased to ₹2,14,301 crore in 31 Mar'19 from ₹2,10,841 crore in 31 Mar'18, CASA deposits increased to ₹1,06,070 crore with a growth rate of 7.77% during FY19. The share of domestic low cost CASA deposits to total domestic deposits stood at 49.49% as on 31 Mar'19. During the year, the Bank concentrated on reducing the Bulk deposits and replacing it with retail deposits. The level of Bulk deposit to total deposit ratio came down to 0.85% in Mar'19 from 1.52% in Mar'18. As a result, Cost of Deposit (CoD) decreased to 5.10% in FY19 from 5.33% in FY18.

Advances:

The global advances of the Bank were at ₹1,63,552 crore in FY19, of which domestic advances of the Bank were at ₹1,60,286 crore during FY19 with a growth rate of 2.53% on a Y-o-Y basis. Bank remained cautious in lending to large corporates and focussed on Retail lending. Retail credit increased by 14.49% Y-o-Y basis to ₹20,150 crore in FY19. Within the Retail loan segment, the Bank achieved 16.03% growth rate in Home Loans. The average Priority Sector Advances of the Bank reached ₹58000 crore as on 31 Mar'19 and accounted for 40.34% of ANBC against the required level of 40%. In case of MUDRA loan, Bank sanctioned ₹2974.59 core during FY19.

Profitability:

The Bank's operating profit decreased by 19.52% Y-o-Y on account of stress on advances portfolio and resultant reversal/